समस्त पत्र व्यवहार कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय को सम्बोधित करें अन्य किसी अधिकारी के नाम से नहीं।

पत्र संख्याः...../विकास/

दिनांकः.....

प्रेषक,

कुलसचिव,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/समन्वयक/शोध पर्यवेक्षक,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

विषयः विश्वविद्यालय में शोधरत अभ्यर्थियों के जे0आर0एफ0 से एस0आर0एफ0 उच्चीकरण/विस्तारण के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

कृपया अवगत कराना है कि मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 02.06.2020 को आहूत जे0आर0एफ0 से एस0आर0एफ0 उच्चीकरण / विस्तारण बैठक में समिति द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष में दो बार (अध्येयतावृत्त उच्चीकरण एवं विस्तारण) क्रमशः 30 जून एवं 31 दिसम्बर तक के परिपक्व प्रस्ताव क्रमशः 31 जुलाई एवं 31 जनवरी तक विभागों द्वारा अनिवार्य रूप से विकास अनुभाग को प्रेषित किये जायेगें।

उपरोक्त के क्रम में **जे0आर0एफ0 से एस0आर0एफ0 उच्चीकरण/विस्तारण के प्रस्ताव दिनांक 31.01.2025 तक विकास अनुभाग को आवश्यक रूप से प्रेषित कर दिये जायें। यदि निर्धारित तिथि तक प्रस्ताव प्राप्त न होने पर यह मान लिया जायेगा कि विभाग में उक्त तिथि तक कोई प्रस्ताव लम्बित या शेष नहीं है। तदोपरान्त प्राप्त प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जायेगा। यदि कोई प्रस्ताव लम्बित रहता है तो उसका उत्तरदायित्व शोधार्थी एवं शोध पर्यवेक्षक का होगा।**

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त के सम्बन्ध में अपेक्षित कार्यवाही अपने स्तर पर सुनिश्चित करने का कष्ट करें तथा प्रस्ताव **इस कार्यालय को दिनांक 31.01.2025 तक उपलब्ध कराने का कष्ट करें।**

भवदीय

(विद्यानन्द त्रिपाठी)
कुलसचिव

संख्या PJ- 940-45 दिनांक 16/01/25

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. निजी सचिव कुलपति को मा0 कुलपति जी के सूचनार्थ।
2. संकायाध्यक्ष, कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि, शिक्षा तथा ललित कला संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
3. अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
4. उपकुलसचिव (विकास), लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
5. निदेशक, यू0डी0आर0सी0/वेबसाइट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि समस्त को सूचित करने का कष्ट करें।
6. संकायाध्यक्ष, शोध, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

16.1.2025
कुलसचिव